

‘अन्याय देखकर चुप रहना भी अन्याय को ताकत देता है; इसलिए जहां सत्य और न्याय की जरूरत हो, वहां विवेकपूर्ण आवाज उठाना ही सजग नागरिक की पहचान

भीम प्रज्ञा

2009 से स्थापित

सम्यक, न्याय, स्वतंत्रता, समानता, बंधुता, एवं सामाजिक चेतना के लिए रचनात्मक पत्रकारिता

गांव के गुवाड़ से निकलकर प्रकाशित होने वाले दैनिक अखबार भीम प्रज्ञा की मजबूती के लिए पाठक बनिए और बनाइए अपनी प्रतिक्रिया दीजिए

हेल्पलाइन - 9983040937

Bheem Pragya publication

A/C No: 61347330768

IFSC Code- SBIN0031880

Phone pe , G-pay

9983040937

www.bheempragya.in

वर्ष-1

अंक-273

झुंझुनू (राजस्थान)

शुक्रवार, 28 अगस्त, 2026

Email.bheempragya@gmail.com

पृष्ठ-8

मूल्य: 5.00

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हर क्षेत्र में आगे बढ़ रहा भारत राज्य सरकार ने किया युवाओं की हर अपेक्षा को पूरा : सीएम भजनलाल शर्मा

- युवा शक्ति देश की सबसे बड़ी पूंजी
- खेल बन रहे राष्ट्र निर्माण का सशक्त माध्यम युवा नेहन और लगन के साथ बढ़े आगे,
- सरकार सुविधाएं उपलब्ध कराने में नहीं छोड़ेगी कोई कसर
- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के माय भारत खेलो इंडिया संवाद कार्यक्रम में वीसी के माध्यम से जुड़े मुख्यमंत्री



मानना है कि देश को पदक तभी मिलते हैं, जब देश में खेल संस्कृति का निर्माण होता है। प्रधानमंत्री के दूरदर्शी नेतृत्व का ही परिणाम है कि आज भारत खेलों के क्षेत्र में आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ रहा है तथा खेल राष्ट्र निर्माण का सशक्त माध्यम बन रहे हैं। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार द्वारा संशोधित खेलो इंडिया योजना में 36 हजार करोड़ रुपये के व्यय से खेलों को नई दिशा मिलेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि 2014 के बाद देश में खेल परिदृश्य में बदलाव आया है। प्रधानमंत्री ने युवाओं को आगे बढ़ाने का काम किया है। स्वामी विवेकानन्द ने कहा था कि 21वीं सदी भारत की होगी। आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में यह साकार हो रहा है। भारत विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है और तीसरे स्थान की ओर अग्रसर है।

उन्होंने कहा कि देश की लगभग 65 प्रतिशत आबादी 35 वर्ष से कम आयु की है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रेरणा से शुरू किया गया माय भारत डिजिटल प्लेटफॉर्म युवाओं को कौशल विकास, नेतृत्व और नागरिक भागीदारी के अवसर प्रदान कर उन्हें राष्ट्र निर्माण में सक्रिय सहभागी बना रहा है। माय भारत केवल एक पोर्टल नहीं, बल्कि अमृत पीढ़ी के सामर्थ्य को विकसित भारत के संकल्प से जोड़ने का सशक्त माध्यम

ने अब तक 3 हजार 540 खिलाड़ियों को लगभग 52 करोड़ रुपये की प्रोत्साहन एवं सहायता राशि प्रदान की है। उन्होंने कहा कि राजस्थान में पहली बार खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स-2025 का सफल आयोजन किया गया। सात शहरों में आयोजित इन खेलों में 222 विश्वविद्यालयों के लगभग 7 हजार खिलाड़ियों ने भाग लिया। वहीं खेलो इंडिया यूथ गेम्स-2025 में राजस्थान के खिलाड़ियों ने कुल 60 पदक जीतकर देश में तीसरा स्थान प्राप्त किया। मुख्यमंत्री ने हाल ही में आयोजित राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक जीतने वाली अरुंधति चौधरी और कांस्य पदक जीतने वाले यशवीर सिंह की सराहना करते हुए कहा कि इन खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन कर प्रदेश का गौरव बढ़ाया है।

हर जिले में एक खेल को मिलेगा बढ़ावा

उन्होंने कहा कि राजस्थान युवा नीति-2026 के माध्यम से युवाओं के लिए शिक्षा, कौशल, खेल और नेतृत्व विकास के नए अवसर सृजित किए गए हैं। एक जिला-एक खेल के माध्यम से प्रत्येक जिले में एक खेल को प्रोत्साहित किया जा रहा है। ओलंपिक खेलों में पदक जीतने के लक्ष्य के साथ राजस्थान टारगेट ओलंपिक पोलियम रक्रीम शुरू की गई है। उन्होंने कहा कि विभागीय अकादमियों के खिलाड़ियों का मेस भत्ता 2 हजार 600 रुपये से बढ़ाकर 4 हजार रुपये प्रतिमाह किया गया है।

युवाओं का आगे बढ़ाने के लिए तत्पर राज्य सरकार

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार हर बजट में युवाओं की इच्छाओं और अपेक्षाओं का ध्यान रखते हुए उन्हें पूरा कर रही है। खिलाड़ियों को सरकारी सेवाओं में नियुक्तियों का हमारी सरकार ने भर्ती परीक्षाओं के लिए कैलेण्डर जारी किया है।

कोटा में बांध के 13 गेट खोले, 25 गांवों में अलर्ट

जयपुर

राजस्थान में मानसून फिर से एक्टिव हो गया है। आज भी 12 जिलों में तेज बारिश की चेतावनी है। बीते 24 घंटे में जयपुर सहित 10 जिलों में 2 इंच तक पानी बरसा है। झालावाड़ में कालीसिंध नदी में लगातार पानी आने से बांध का एक गेट खोलकर 8 हजार क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा है। कोटा के नोनेरा बांध से खोले गए 3 गेट की संख्या बढ़ाकर 13 कर दी गई है। नोनेरा बांध से कालीसिंध और चंबल नदी में पानी छोड़ा जा रहा है। नदी के किनारों पर बसे 25 गांवों में अलर्ट जारी कर नदी और बहाव क्षेत्र से दूर रहने की अपील की गई है। बांध के जेईएन मनोज चौधरी ने बताया- पानी की निकासी से कालीसिंध और चंबल नदी के किनारे बसे गांवों को अलर्ट किया गया है। झपर, कोटा बैराज, जवाहर सागर, वीसलपुर, ईसरदा, गालवा, गुढ़ा बांध में भी पानी की आवक हो रही है, जिससे इन बांधों का जलस्तर बढ़ गया।

खड़गे ने परिसीमन को लेकर पीएम को चिट्ठी लिखी

नई दिल्ली

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने गुरुवार को पीएम नरेन्द्र मोदी को चिट्ठी लिखकर परिसीमन पर चर्चा के लिए सर्वदलीय बैठक बुलाने की मांग की। खड़गे ने मोदी से आग्रह किया कि वे परिसीमन के लिए सरकार के प्रस्तावों को सभी राजनीतिक दलों के साथ शेयर करें। उन्होंने सभी दलों और राज्य सरकारों को इन प्रस्तावों का अध्ययन करने के लिए पर्याप्त समय देने को कहा। लोकसभा में राज्यवार मौजूदा संख्या बल को अगले 25 साल तक 543 बनाए बनाए रखने की मांग की है।

समस्त नगरवासियों को

रक्षाबंधन

के पावन पर्व की

हार्दिक शुभकामनाएं

निवेदक

शैलेन्द्र सैनी

सामाजिक कार्यकर्ता

सोमा सैनी

पार्षद प्रत्याशी, वार्ड नंबर 41

नगर पालिका चिड़ावा

रिश्तों की डोर, विश्वास का बंधन
रक्षा का संदेश, प्रेम का अपनापन

रक्षाबंधन

की हार्दिक शुभकामनाएं

यह पावन पर्व आपके जीवन में सुख, समृद्धि और खुशहाली लाए यही हमारी शुभकामना है।

सबका साथ सबका विकास सबका विश्वास

सुरेश भूकर

भाजपा नेता

नगर पालिका, चिड़ावा

15 दिनों के भीतर दो बार एक मंच पर आएंगे मोदी-पुतिन और शी, ट्रंप की बेचैनी बढ़ी



नीरज कुमार दुबे

देखा जाये तो
प्रधानमंत्री मोदी की
उज्बेकिस्तान यात्रा
और किर्गिस्तान की
राजधानी बिश्केक में
31 अगस्त से 1
सितंबर तक होने वाला
एससीओ शिखर
सम्मेलन ऐसे समय
पर हो रहा है, जब
मध्य एशिया वैश्विक
शक्ति संघर्ष का नया
मैदान बन चुका है।



स्वास्थ्य, शिक्षा और अन्य क्षेत्रों में फैला है, जबकि भारतीय विश्वविद्यालय भी उज्बेकिस्तान में अपनी उपस्थिति दर्ज करा चुके हैं।

लेकिन इस यात्रा की असली ताकत केवल व्यापार के आंकड़ों में नहीं है। उज्बेकिस्तान भारत की मध्य एशिया गणराज्य का महत्वपूर्ण प्रवेश द्वार है। पाकिस्तान द्वारा भूमि मार्ग अवरोध रखने के कारण भारत के सामने संपर्क का प्रश्न लंबे समय से चुनौती बना हुआ है। यही वजह है कि अंतरराष्ट्रीय उत्तर-दक्षिण परिवहन गलियारा यानि आईएनएसटीसी और चाबहार बंदरगाह भारत के लिए अप्रत्याशित महत्व रखते हैं। ईरान और पश्चिम एशिया की मौजूदा अस्थिरता ने इन परियोजनाओं की राह कठिन जरूर बनाई है, लेकिन भारत के लिए विकल्प तलाशना अब मजबूरी नहीं, रणनीतिक आवश्यकता है। अफगानिस्तान की मोदी-मिर्ज़ायेयेव वार्ता का बड़ा मुद्दा हो सकता है। स्थिर अफगानिस्तान के बिना दक्षिण और मध्य एशिया की कनेक्टिविटी, व्यापार और सुरक्षा की कोई भी बड़ी योजना अधूरी है। ताशकंद और नई दिल्ली पुनर्मिर्माण, आर्थिक विकास और क्षेत्रीय स्थिरता पर अधिक निकट

समन्वय विकसित कर सकती है। इसके साथ ही रक्षा, स्वास्थ्य, 'दुर्लभिक' सैन्य अभ्यास, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, विज्ञान-तकनीक और महत्वपूर्ण खनिजों में साझेदारी भारत की मध्य एशिया नीति को नई धार दे सकती है। इसके बाद विश्वकेत में एएससीआ का मंच मोदी को रूस और चीन समेत प्रमुख यूरेशियाई शक्तियों के साथ सीसा संवाद का अवसर देगा। भारत के लिए एएससीआ केवल फोटो-ऑप नहीं है। आतंकवाद, ऊर्जा सुरक्षा, कनेक्टिविटी, आर्थिक सहयोग और क्षेत्रीय स्थिरता, ये सभी भारत के प्रत्यक्ष राष्ट्रीय हित से जुड़े प्रश्न हैं। नई दिल्ली लगातार यह भी रेखांकित करती रही है कि कनेक्टिविटी परियोजनाएं संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान करते तथा आतंकवाद के खिलाफ दोहरे मानदंड स्वीकार नहीं किए जा सकते।

इस पूरे घटनाक्रम का सबसे दिलचस्प पहलू मोदी-पुतिन संबंध हैं। हम आपको बता दें कि विदेश मंत्री एस. जयशंकर की मॉस्को यात्रा के दौरान पुतिन ने मोदी से एससीओ में मिलने की इच्छा जताई और भारत के लिए उर्वरक आपूर्ति बढ़ाने की बात कही। दोनों देशों के बीच

ऊर्जा, व्यापार, परमाणु सहयोग और कृषि जरूरतों से जुड़े रिश्ते लगातार महत्वपूर्ण बने हुए हैं। भारत ने पश्चिमी दबाव के बावजूद अपने राष्ट्रीय हितों के आधार पर रूस के साथ वैश्व आर्थिक संबंध बनाए रखे हैं और यही मोदी की रणनीतिक स्वायत्तता का सबसे बड़ा प्रमाण है।

लेकिन असली धूराजनीतिक धमाका इसके बाद हो सकता है। 12-13 सितंबर को नई दिल्ली में होने वाले ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में पुतिन और शी चिनफिंग को मौजूदगी की संभावना भारत की कुत्सीनिक हैसियत को और मजबूत करेगी। यदि मोदी, पुतिन और शी एक ही मंच पर लगाना दो बड़े अंतरराष्ट्रीय आयोजनों में मिलते हैं, तो यह किसी औपचारिक मित्रता की घोषणा नहीं होगी; लेकिन यह जरूर दिखाएगा कि विश्व राजनीति अब एकध्रुवीय निर्देशों पर नहीं चलती।

भारत, रूस और चीन के बीच मतभेद मौजूद हैं, विशेषकर भारत-चीन संबंधों में। इसलिए इसे किसी स्थायी त्रिपक्षीय गठबंधन के रूप में देखना जल्दबाजी होगी। मगर बहुद्वीपीय विश्व व्यवस्था, वैश्विक शासन सुधार, ग्लोबल साउथ की आवाज, उर्जा सुरक्षा और वैकल्पिक आर्थिक संस्थाओं के संवाल पर तीनों देशों की बातचीत का प्रभाव अमेरिका और पश्चिमी शक्तियों तक जरूर पहुंचेगा।

मोदी की उज्ज्वलकिस्तान से विश्वकेक और फिर नई दिल्ली तक फैली यह कूटनीतिक श्रृंखला एक बड़े संदेश का निर्माण करती है। संदेश यह है कि भारत अब मध्य एशिया में अपनी पहुंच बढ़ा रहा है, रूस के साथ पुराने रणनीतिक संबंधों को नए आर्थिक आधार दे रहा है, चीन के साथ प्रतिस्पर्धा और संवाद, दोनों को एक साथ साध रहा है और क्रिस जैसे मंचों के जरिए ग्लोबल साउथ की राजनीति को नई दिशा देने की कोशिश कर रहा है। वॉशिंगटन के लिए संदेश इसलिए असहज हो सकता है, क्योंकि दबाव, दंष्ट्रिफ राजनीतिक ध्रुवीकरण की राजनीति भारत को किसी खेमे में बांधने की गारंटी नहीं देती।

बहरहाल, मोदी की कूटनीति का मूल मंत्र साफ दिखाई देता है कि जहां भारत का हित, वहीं भारत का हाथ। अगले कुछ सप्ताह में ताशकंद, बिश्केक और नई दिल्ली के मंच शायद यही साबित कर दें कि बदलती विश्व व्यवस्था में भारत अपनी शर्तों पर चाल चलने वाला निर्णायक खिलाड़ी है।

संपादकीय

अन्याय के सामने मौन नहीं, विवेकपूर्ण प्रतिरोध ही जागरूक समाज की पहचान



डॉ. हिदायत अहमद खान

एक गांव में एक बुजुर्ग के सामने दो युवक पहुंचे। दोनों के बीच किसी बात को लेकर विवाद था। बुजुर्ग ने दोनों की बात सुनी और कहा— 'गलती किसीकी है, यह तय करना आसान है; लेकिन यह तय करना कठिन है कि अन्याय के सामने कौनो खड़ा होगा।' तभी वहां बैठे एक व्यक्ति ने कहा— 'बाबा, हम तो विवाद से दूर रहना चाहते हैं।' बुजुर्ग मुस्कुराए और बोले— 'लेकिन' उन्हाय हो रहा हो, वहीं चुप रहना हमेशा सदृश्यता नहीं होता; कई बात यह अन्याय को मजबूत करने वाली चुप्पी बन जाती है।' यहाँ मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है। यह छोटा-सा प्रश्न हमारे समय के एक बड़े सवाल को सामने रखता है—'क्या हम अन्याय को केवल इसलिए स्वीकार कर लें कि उसका शासन हम स्वयं नहीं है? क्या किसी दूसरे के अस्वीकार का हनन देखकर भी हमारी जिम्मेदारी समाप्त हो जाती है? निष्पक्ष रूप से नहीं। किसी भी स्वस्थ और लोकतांत्रिक समाज की वास्तविक पहचान इस बात से होती है कि वहां के नागरिक अन्याय, असमानता, शोषण और भेदभाव को किस स्तर पर देखते हैं और उसके विरुद्ध किस प्रकार की आवाज उठाते हैं।' प्रतीरोध का अर्थ हमेशा संघर्ष, टकराव या हिंसा नहीं होता। प्रतीरोध का सबसे प्रभावी रूप विचार, तर्क, संवैधानिक अधिकार, शिक्षा, संवाद और लोकतांत्रिक तरीके से उठाई गई आवाज भी हो सकता है। जब कोई नागरिक गलत बात को गलत करने का साहस करता है, जब कोई शिक्षक भेदभावपूर्ण सोच को चुनौती देता है, जब कोई पत्रकार समाज या व्यवस्था से असहज सवाल पूछता है, जब कोई युवा सामाजिक कुरीत के विरुद्ध जागरूकता फैलाता है और जब कोई सामान्य व्यक्ति किसी कमजोर के साथ खड़ा होता है—तभी समाज में परिवर्तन की वास्तविक प्रक्रिया शुरू होती है। भारत की सामाजिक चेतना का इतिहास ऐसे प्रतीरोधों से भरा हुआ है। राजा राममोहन राय ने सती प्रथा जैसी कुर्या के विरुद्ध आवाज उठाई। ज्योतिबा फुले और सावित्रीबाई फुले ने शिक्षा तथा सामाजिक समानता के लिए संघर्ष किया। स्वामी दयानंद सरस्वती ने रूढ़ियों और अंधविश्वासों को चुनौती दी। डॉ. भीमराव आंबेडकर ने सामाजिक भेदभाव और अस्पृश्यता के विरुद्ध वैचारिक, सामाजिक और संवैधानिक संघर्ष को नब दिसा था। इन युधारकों का महत्व केवल इसलिए नहीं है कि उन्होंने अपने समय की समस्याओं को पहचाना, बल्कि इसलिए भी है कि उन्होंने समाज को यह सिखाया कि परंपरा पुरानी होने मात्र से सही नहीं हो जाता और बहुसंख्यक लोग किसी बात को मानते हैं, तो वह स्वतः न्यायपूर्ण नहीं हो जाती। भारतीय संविधान ने समानता को केवल आदर्श नहीं माना, बल्कि उसे संवैधानिक अधिकार का आधार बनाया। अनुच्छेद 14 कानून के समक्ष समानता की गारंटी देता है, अनुच्छेद 15 धर्म, जाति, लिंग, जन्मस्थान आदि के आधार पर भेदभाव पर रोक लगाता है और अनुच्छेद 17 अस्पृश्यता को समाप्त करता है तथा उसके किसी भी रूप में पालन को निषिद्ध करता है। इसका और स्पष्ट है—आज किसी मनुष्य की गरिमा को केवल जन्म या सामाजिक पहचान के आधार पर कमतर करना केवल सामाजिक रूप से अनुचित है नहीं, बल्कि संविधान की मूल भावना के भी विरुद्ध है। फिर भी प्रश्न यह है कि संविधान के इतने स्पष्ट प्रावधानों के बावजूद सामाजिक असमानता और भेदभाव की मानसिकता पूरी तरह समाप्त क्यों नहीं हो पाई? इसका उत्तर कानून से अधिक समाज की मानसिकता में छिपा है। कानून व्यवहार को नियंत्रित कर सकता है, लेकिन विचारों को बदलने के लिए शिक्षा, संवाद और सामाजिक चेतना आवश्यक है। सबसे खतरनाक स्थिति तब होती है जब अन्याय धीरे-धीरे सामान्य दिखाई देने लगता है। जब किसी कमजोर व्यक्ति के साथ भेदभाव देखकर लोग कहते हैं— 'ऐसा तो हमेशा से होता आया है।' जब किसी गरीब के शोषण को उसकी मजबूरी समझ लिया जाता है। जब जातिगत असमान को मजाक कहकर टाल दिया जाता है। जब किसी महिला के साथ अन्याय को परिवार का निजी मामला कहकर चुप्पी साध ली जाती है। जब किसी मजदूर के अधिकारों को इसलिए नजरअंदाज कर दिया जाता है क्योंकि वह आर्थिक रूप से कमजोर है। यही वह क्षण है जब समाज की संवेदनशीलता की परीक्षा होती है। अन्याय को सामान्य मान लेना अन्याय को स्वीकार करने की पहली सीढ़ी है। लेकिन प्रतीरोध करते समय एक और सावधानी जरूरी है। अन्याय के विरुद्ध आवाज उठाने का अर्थ किसी दूसरे समुदाय, वर्ग या व्यक्ति के प्रति घृणा फैलाना नहीं हो सकता। यदि अन्याय का विरोध करते-करते हम स्वयं घृणा, हिंसा और भेदभाव का रास्ता अपना लें, तो हम उस व्यवस्था से अलग नहीं रह जाते जिसका विरोध कर रहे हैं। इसलिए प्रतीरोध तर्कपूर्ण, शांतिपूर्ण, संवैधानिक और मानवीय होना चाहिए।

आज के डिजिटल युग में प्रतिस्पर्धा के साधन भी बदल गए हैं। एक मोबाइल फोन से लाखों लोगों तक बात पहुंच सकती है। लेकिन यही सचित्र अफवाह, नजरअत और झूठ फैलाने का माध्यम भी बन सकती है। इसलिए राजनैतिक नागरिक की जिम्मेदारी केवल आवाज उठाना नहीं, बल्कि सही जानकारी के आधार पर आवाज उठाना है। बिना थका थका किसी आरोप को आगे बढ़ाना सामाजिक न्याय नहीं, बल्कि एक नए अन्याय को जन्म दे सकता है। आज समाज को ऐसे नागरिकों की जरूरत है जो केवल अपने अधिकारों के प्रति जागरूक न हों, बल्कि दूसरों के अधिकारों के प्रति भी संवेदनशील हों। लोकतंत्र में अधिकार और जिम्मेदारी साथ-साथ चलते हैं। यदि हम अपने लिए सम्मान चाहते हैं तो हमें दूसरों को भी सम्मान देना होगा। यदि हम अपने साथ न्याय चाहते हैं तो हमें दूसरों के साथ होने वाले अन्याय पर भी आवाज उठानी होगी। सच्चा सामाजिक सुधार वहीं से शुरू होता है, जहाँ व्यक्ति यह पृष्ठना शुरू करता है- 'मेरे साथ तो सब ठीक है, लेकिन मेरे आसपास किसी दूसरे के साथ गलत हो रहा है, तो क्या मैं चुप रह सकता हूँ?' यही प्रश्न एक सामान्य व्यक्ति को सजग नागरिक बनाता है। आज आवश्यकता की कमी के निरुद्ध खड़े होने से अधिक अन्याय के निरुद्ध खड़े होने की है। व्यक्ति से मतभेद हो सकता है, लेकिन अन्याय से समझौता नहीं होना चाहिए। विचार अलग हो सकते हैं, राजनीतिक पसंद अलग हो सकती है, सामाजिक पृष्ठभूमि अलग हो सकती है, लेकिन न्याय और मानवीय गरिमा के प्रश्न पर समाज को एकजुट होना होगा। क्योंकि जिस समाज में लोग अन्याय देखकर चुप हो जाते हैं, वहाँ धीरे-धीरे अन्याय सामान्य और न्याय असामान्य लगने लगता है।



योगेश कुमार गोयल

रि श्तों की पवित्रता और सुरक्षा के संकल्प का पर्व रक्षाबंधन...

रक्षाबंधन पर्व रक्षा के तात्पर्य से बांधने वाला एक ऐसा सूत्र है, जिसमें बहनें अपने भाईयों के माथे पर तिलक लगाकर जीवन के हर संघर्ष तथा मोर्चे पर उनके सफल होने तथा निरन्तर प्रगति पथ पर अग्रसर रहने की ईश्वर से प्रार्थना करती हैं तथा उनका सुखे जीवन के लिए मंगलकामना करती हैं। भाई इस कच्चे धागे के बदले अपनी बहनों की हर प्रकार की विविधता से रक्षा करने का वचन देते हैं और उनसे शील एवं मर्यादा की रक्षा करने का संकल्प लेते हैं। वास्तव में भाई-बहन के प्रेम का प्रतीक पर्व रक्षाबंधन स्नेह, सौहार्द एवं सद्भावना का एक ऐसा पर्व है, जो उन्हें अटूट एकता के सूत्र में बांध देता है। श्रावण मास की पूर्णिमा को मनाए जाने वाले रक्षाबंधन पर्व की भारतीय समाज और संस्कृति में कितनी महत्ता है, इसका अनुमान इसी से लगाया जा सकता है कि बहनों के हाथ अपने भाईयों की कलाईयों पर राखिया बांधने के लिए मचल उठते हैं और कलाई पर बांधे जाने वाले मामूली से दिखने वाले इन्हीं कच्चे धागों से पक्के रिश्ते बनते हैं। पवित्र तथा स्नेह का सूचक यह पर्व भाई-बहन को पवित्र स्नेह के बंधन में बांधने का पवित्र एवं यादगार दिवस है। इस पर्व को भारत के कई



रही है। नेपाल की इस आपदा का एक महत्वपूर्ण पहलू इसकी अचानक आई बाढ़ है। अधिकारियों ने भूकम्प के बाद बाढ़ आने और हिमनद या प्राकृतिक जल अवरोध टूटने की आशंका जताई है। यदि बाढ़ आशंका सही साबित होती है, तो यह घटना हिमालयीय पारिस्थितिकी में हो रहे बदलावों को समझने के लिए भी महत्वपूर्ण होगी। हालाँकि, किसी एक कारण को अंतिम रूप से जिम्मेदार ठहराने से पहले वैज्ञानिक जांच आवश्यक है। एक तरफ भूविज्ञानी ग्लोबल वार्मिंग को लेकर चमचे से दुनियाँ के तमाम शक्तिशाली देशों को चेतावने समझा रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ यह भी कहा जा रहा है कि प्राकृतिक घटनाओं को रोकना संभव नहीं है। यहाँ समझने वाली बात यह है कि भविष्य में प्राकृतिक आपदाओं के विनाशकारी प्रभाव को कम करना निश्चित रूप से संभव है। इसके लिए सीमाओं से परे जाकर अथक प्रयास करने की आवश्यकता है। फिलहाल तो सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या नेपाल और उसके पड़ोसी देश ऐसा

उपहारों में नहीं, रिश्तों के अनमोल विश्वास में है राखी का मोल

हिस्सों में श्रावणी के नाम से जाना जाता है। पश्चिम बंगाल में ह्यगुरु महापूर्णमाह, दक्षिण भारत में ह्यनारियल पूर्णिमाह तथा नेपाल में इसे ह्यजनेऊ पूर्णिमाह के नाम से जाना जाता है।

रक्षाबंधन मनाए जाने के संबंध में अनेक पौराणिक एवं ऐतिहासिक प्रसंगों का उल्लेख मिलता है। कहा जाता है कि जब देवराज इंद्र बार-बार राक्षसों से परास्त हो रहे और हर बार राक्षसों के हाथों देवताओं की हार से निराश हो गए तो इन्द्राणी ने बहुत कठिन तपस्या की और अपने तपोबल से एक रक्षासूत्र तैयार किया। यह रक्षासूत्र इन्द्राणी ने देवराज इंद्र की कलाई पर बांध दिया। तपोबल से युक्त इस रक्षासूत्र के प्रभाव से देवराज इंद्र राक्षसों को परास्त करने में सफल हुए। तभी से रक्षाबंधन पर्व की शुरुआत हुई। एक उल्लेख अथवा भी मिलता है कि जब भगवान विष्णु ने वामन अवतार लिया था, तब उन्होंने कब्राह्मण वेश धारण कर अपनी दामशील प्रवृत्ति के लिए तीनों लोकों में प्रसिद्ध राजा बलि से तीन पद्म भूमि दान में मांगी और बलि द्वारा अपनी मांग स्वीकार कर लिए जाने पर भगवान वामन ने अपने पद से सम्पूर्ण पृथ्वी को नाते हुए बलि को पाताल लोक भेज दिया। कहा जाता है कि उसी की याद में रक्षाबंधन पर्व मनाया गया। रक्षाबंधन पर्व से कई ऐतिहासिक प्रसंग भी जुड़े हैं। ऐतिहासिक दृष्टि से इस पर्व की शुरुआत मध्यकालीन युग से मानी जाती है। भारतीय इतिहास ऐसे प्रसंगों से भरा पड़ा है, जब राजपूत योद्धा अपनी जान की बाजी लगाकर युद्ध के मैदान में जाते थे तो उनके देश की केलियां उन वीरों के सैनिकों की आरती उतारकर उनकी कलाई पर रक्षा सूत्र बांधा करती थी तथा वीर रस के गीत गाकर उनकी हौसला अफजाई करते हुए उनसे प्रेरणा देते थे। राजपूतों की रक्षा का प्रण भी करारती थी। कहा जाता है कि उस जमाने में अधिकांश मुस्लिम शासक हिन्दू युवतियों का बलपूर्वक अपहरण करके उन्हें अपने-अपने हarem की शोभा बनाने का प्रयास किया करते थे और

ऐसी परिस्थितियों से बचने के लिए राजपूत कन्याओं ने बलशाली राजाओं को राखियाँ भेजकर उनके साथ भ्रातृत्व संबंध स्थापित कर अपने शील की रक्षा करनी आरंभ कर दी थी। उसी परम्परा ने बाद में रक्षाबंधन पर्व का रूप ले लिया।

चितौड़ की महारानी कर्मावती का प्रसंग तो इस संबंध में विशेष रूप से उल्लेखनीय है। जब गुजरात के शासक बहादुरशाह ने चितौड़ पर आक्रमण कर दिया तो चितौड़ की महारानी कर्मावती घबरा गईं। उन्हें चितौड़ के साथ-साथ स्वयं की तथा चितौड़ की अन्य राजपुत्र बालाओं की सुरक्षा का कोई रास्ता नजर नहीं आ रहा था। कोई उपाय न सूझने पर रानी कर्मावती ने बादशाह हुमायूँ को राखी के धागे में रक्षा का पैगाम भेजा और हुमायूँ को अपना भाई मानते हुए उससे अपनी सुरक्षा की प्रार्थना की। बादशाह हुमायूँ महारानी कर्मावती का यह रक्षासूत्र और पैगाम प्रभाव भव्य विभोह हो गए और अपनी इस अनदेखी बहन के प्रति अपने कर्तव्य निभाने तुरन्त अपनी विशाल सेना लेकर चितौड़ की ओर रवाना हो गए लेकिन जब तक वह चितौड़ पहुँचे, तब तक महारानी कर्मावती और चितौड़ की हजारों वीरंगनाएँ अपने शील की रक्षा हेतु अपने शरीर की अग्नि में आहुति दे चुकी थीं। उसके बाद हुमायूँ ने महारानी कर्मावती की चिता की राख से अपने माथे पर तिलक लगाकर बहन के प्रति अपने कर्तव्य का निर्वहन करने के लिए जो कुछ किया, वह इतिहास के पन्नों पर स्वर्णाक्षरों में अंकित हो गया तथा इसी के साथ रक्षाबंधन पर्व के इतिहास में एक अविस्मरणीय अध्याय भी जुड़ गया। इस ऐतिहासिक घटना के बाद ही यह परम्परा बनी कि कोई भी महिला या युवती जिस किसी व्यक्ति को राखी बांधती है तो वह व्यक्ति उसका भाई माना जाता है।

समय के साथ-साथ रक्षाबंधन पर्व के स्वरूप और मूल उद्देश्य में बहुत बदलाव आया है। तेजी से आधुनिकता की ओर अग्रसर आज के इस भागदौड़



भरे और स्वयंपरक जमाने में जहां बहनों के लिए
अब राखी का अर्थ भाई से महेरी उधार तथा नकदी
इस्लामि पाना हो गया है। चलते भाई भी अपनी निजी
जिन्दगी की व्यस्तताओं के वजह से बहनों के प्रति अप्रति
कर्तव्य का निर्वहन सही ढंग से नहीं कर पाते। ऐसे में
यह पवित्र पर्व अब रुपये-पैसे तथा साड़ी, अभूषण व
अन्य कीमती उपहारों इस्लामि के लेन-देन का पर्व
बनता जा रहा है और भाई-बहन के बीच राखी का
मोलभाव होता है की वजह से धीरे-धीरे इस पर्व की मूल
भावनाएं सिकुड़ रही हैं। कच्चे धागों की जगह रेशम
के धागे ने ले ली और अब इन धागों की अहमियत
कम होती जा रही है। रक्षाबंधन महज कलाई पर एक
धागा बांधने की रस्म नहीं है बल्कि यह भाई-बहन के
अटूट स्नेह, पवित्रता और सद्भावना का पर्व है। यह
पर्व रश्मियों की पवित्रता और वचनबद्धता का प्रतीक है।
इसलिए रक्षाबंधन पर्व को चंद रुपयों या कीमती
उपहारों से तोलकर देखा इन पर्वों के अंतर्स में
विद्यमान पवित्र भावना का अपमान है।



वार्ड 24 में सुनिता योगी को भारी समर्थन, वार्डवासियों ने केलों से तोला

भीम प्रज्ञा न्यूज.चिड़ावा।

नगरपालिका चिड़ावा के वार्ड संख्या 24 में चुनाव प्रचार चरम पर पहुँच गया है। बुधवार को वार्ड में आयोजित एक जनसंपर्क कार्यक्रम के दौरान उम्मीदवार सुनिता योगी (पत्नी राकेश योगी) को सभी वार्डवासियों ने अपना पूर्ण एवं अमूल्य समर्थन दिया। इस अवसर पर वार्ड के नागरिकों ने अपना उत्साह प्रकट करते हुए सुनिता योगी का भव्य स्वागत किया और उन्हें केलों से तोलकर भारी बहुमत से विजयी बनाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में स्थानीय महिलाओं एवं पुरुषों ने बड़-चढ़कर भाग लिया। सुनिता योगी ने



वार्डवासियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे वार्ड के विकास और जनसमस्याओं के समाधान के लिए

सदैव तत्पर रहेंगी। इस मौके पर वार्ड के अनेक गणमान्य लोग और बड़ी संख्या में स्थानीय निवासी मौजूद रहे।

जीवनी इंटरनेशनल स्कूल में राखी एवं कार्ड मेकिंग प्रतियोगिता आयोजित, विद्यार्थियों ने पर्यावरण संरक्षण का लिया संकल्प

भीम प्रज्ञा न्यूज.चिड़ावा।

जीवनी इंटरनेशनल स्कूल में गुरुवार को रक्षाबंधन पर्व के उपलक्ष्य में राखी एवं कार्ड मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन उत्साहपूर्वक किया गया। विद्यालय के प्रधानाचार्य मुकेश कुमार पुनिया एवं उपप्रधानाचार्य सुनील वर्मा ने बताया कि आयोजन के तहत जूनियर वर्ग के विद्यार्थियों के लिए कार्ड मेकिंग प्रतियोगिता तथा कक्षा 5 से 12 तक के विद्यार्थियों के लिए राखी प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों ने बड़-चढ़कर भाग लेते हुए अपनी कलात्मकता और रचनात्मकता का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने पौधों एवं वृक्षों को राखी बांधकर पर्यावरण संरक्षण तथा वृक्ष



बचाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर निदेशक रितेश मील ने कहा कि 'वृक्ष जीवन का आधार हैं' और इनका संरक्षण हम सभी का दायित्व है। जीवनी एजुकेशन ग्रुप के चेयरपर्सन सांकरमल मील, सचिव

भगवती मील एवं निदेशक रितेश मील ने रक्षाबंधन पर्व की शुभकामनाएं देते हुए सभी के सुखद एवं कल्याणकारी जीवन की कामना की। इस दौरान विद्यालय का समस्त स्टाफ मौजूद रहा।

झुंझुनू में 'खेलो इंडिया संवाद' आयोजित, उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी सम्मानित



भीम प्रज्ञा न्यूज.झुंझुनू।

राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय द्वारा बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (बि.टि.एस. पिलानी) के सभागार में 'खेलो इंडिया संवाद' का आयोजन किया गया। माय भारत झुंझुनू और बि.टि.एस. पिलानी के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशभर के युवाओं और खिलाड़ियों से सीधा संवाद किया। प्रधानमंत्री ने मेजर ध्यानचंद के जीवन और उपलब्धियों का जिक्र करते हुए युवाओं को खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए निरंतर प्रयास करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने 2036 के ओलंपिक खेलों को ध्यान में रखते हुए प्रतिभागियों को पहचानने, निखारने और अधिक से अधिक युवाओं को विभिन्न खेलों से जोड़ने पर जोर दिया। वहीं अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी निकिता कुमारी और शुभ लड़ा को खेलों में उल्लेखनीय योगदान के लिए स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया। युवा संवाद में नीरज पुनिया, जागति शर्मा और अशोक शर्मा के संचालन में आयोजित संवाद सत्र में युवाओं ने खेल विकास, बढ़ती भागीदारी और नए अवसरों पर अपने विचार साझा किए। शिक्षकों की उपस्थिति में बि.टि.एस. पिलानी के प्रोफेसर संदीप देशमुख, नवीन सिंह, राजेश प्रसाद मिश्रा, बी. के. राऊत और आवेश वर्मा कार्यक्रम में मौजूद रहे।

राजस्थान में 'पॉलिटिकल रक्षाबंधन': दिया कुमारी ने बैरवा, मदन राठौड़ और अजय कुमार को बांधी राखी

भीम प्रज्ञा न्यूज

जयपुर। रक्षाबंधन से एक दिन पहले राजस्थान की राजनीति में भाई-बहन के रिश्ते की अनूठी तस्वीर सामने आई। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा के आवास पहुंचकर उन्हें राखी बांधी। दोनों ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर रक्षाबंधन की



खुशियां साझा कीं। दिया कुमारी ने भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ और प्रदेश संगठन महामंत्री अजय कुमार को भी राखी सूत्र बांधा और उनके उत्तम स्वास्थ्य व दीर्घायु की कामना की। इससे पहले वह मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को भी राखी बांध चुकी हैं।

बैरवा ने दिया बहनों की सुरक्षा का मरोसा

राखी बंधवाने के बाद डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने कहा कि दिया कुमारी का यह राखी सूत्र भाई-बहन के निश्छल प्रेम का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की सभी बहनों के साथ वे हर परिस्थिति में कंधे से कंधा मिलाकर खड़े हैं। रक्षाबंधन का पर्व प्रेम, विश्वास और सुरक्षा का संदेश देता है। दिया कुमारी के इन रक्षाबंधन कार्यक्रमों को राजनीतिक हलकों में भाईचारे और सामाजिक सद्भाव के संदेश के तौर पर देखा जा रहा है। साथ ही महिला सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन को लेकर भी इसे सकारात्मक संदेश माना जा रहा है।

स्नेह, विश्वास और सुरक्षा के पावन पर्व

रक्षाबंधन

की हार्दिक शुभकामनाएं

यह पर्व आपके जीवन में खुशियाँ, समृद्धि और सफलता लेकर आए।

पीयूष बाहुका

पार्षद प्रत्याशी

वार्ड नंबर 28,

नगर पालिका, चिड़ावा

आप सभी को

रक्षाबंधन

की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

गंगाधर सैनी

वार्ड नंबर 39,

नगर पालिका चिड़ावा

मो.- 9413723722, 7891723722

आप सभी को

रक्षाबंधन

पर्व की

हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

राजेन्द्र पाल सिंह कोच

भाजपा नेता, वार्ड नंबर 45

नगर पालिका चिड़ावा

आप सभी को

रक्षाबंधन

पर्व की

हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

दिनेश जांगिड़

वार्ड नंबर 09, ओजटू

नगर पालिका चिड़ावा,

मो. 9928646262



खेलो इंडिया संवाद में सिंधानिया विश्वविद्यालय की शानदार सहभागिता

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशभर के विद्यार्थियों से किया संवाद, 2036 ओलंपिक की तैयारियों और युवा प्रतिभाओं को निखारने पर दिया जोर

भीम प्रज्ञा न्यूज.पचेरी।

देश में खेल संस्कृति को मजबूत करने और युवाओं में खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से आयोजित 'खेलो इंडिया संवाद' में सिंधानिया विश्वविद्यालय ने राजस्थान का प्रतिनिधित्व करते हुए गौरवपूर्ण सहभागिता की। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने 27 अगस्त को ऑनलाइन माध्यम से देशभर में करीब 1600 स्थानों से जुड़े सैकड़ों विद्यार्थियों एवं युवाओं को संबोधित किया। इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम के लिए राजस्थान से चयनित शिक्षा संस्थानों की 'ए श्रेणी' के तीन विश्वविद्यालयों में सिंधानिया विश्वविद्यालय का चयन होना विश्वविद्यालय के लिए उल्लेखनीय उपलब्धि माना गया।

2036 ओलंपिक के लिए प्रतिभाओं को तैयार करने पर जोर

'खेलो इंडिया संवाद' के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 21वीं सदी के आधुनिक और सशक्त खेल इकोसिस्टम के निर्माण की परिकल्पना देश के सामने रखी। उन्होंने विशेष रूप से 2036 ओलंपिक के लिए भारतीय खिलाड़ियों को मजबूत तैयारी पर जोर दिया। प्रधानमंत्री ने कहा कि देश में 5 से 15 वर्ष की आयु के बच्चों को लक्षित करते हुए व्यापक प्रतिभा खोज अभियान चलाया जाएगा। इस अभियान के माध्यम से बच्चों की फिटनेस, रुचि और खेल क्षमता के आधार पर युवा प्रतिभाओं की पहचान कर उन्हें शुरुआती स्तर से ही बेहतर प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि भारत के पास विविध भौगोलिक परिस्थितियाँ हैं और इनका उपयोग नए एवं उभरते खेलों को बढ़ावा देने में किया जा सकता है। देश अपनी विस्तृत तटरेखा और पर्वतीय क्षेत्रों का उपयोग करते हुए सर्फिंग, स्पोर्ट्स क्लाइम्बिंग सहित जल, शीतकालीन और अन्य उभरते खेलों में उत्कृष्टता हासिल करने की दिशा में आगे बढ़ना चाहता है।

जिला स्तर तक मजबूत होगा खेल इकोसिस्टम

प्रधानमंत्री ने खेलों को केवल प्रतियोगिता तक सीमित न रखते हुए इसे युवाओं के व्यक्तित्व विकास और स्वस्थ जीवनशैली का महत्वपूर्ण माध्यम बताया। उन्होंने जिला स्तर पर मजबूत खेल इकोसिस्टम विकसित करने, खेल विश्वविद्यालयों की भूमिका बढ़ाने, आधुनिक प्रशिक्षण



नरेंद्र मोदी ने खेलों को बढ़ावा देने का आह्वान किया

प्रधानमंत्री ने युवाओं के जीवन में खेलों की भूमिका को रेखांकित करते हुए कहा कि खेल स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने के साथ-साथ जीवन में सकारात्मक बदलाव लाते हैं। उन्होंने युवाओं को नरेंद्र मोदी की नाराजगी से दूर रखने में खेलों को एक प्रभावी माध्यम बताया। कार्यक्रम में केंद्रीय खेल मंत्री श्री मनसुख मांडविया ने भी युवाओं के बीच नशा मुक्ति अभियान को प्रभावी बनाने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने युवाओं में उत्कृष्टता, प्रतिभा और अभिव्यक्ति के बेहतर संगम का आह्वान किया।

सुविधाएं उपलब्ध कराने तथा खेल विज्ञान और कोचिंग के क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि खेलों के माध्यम से युवाओं में खेल भावना, अनुशासन, धैर्य और विपरीत परिस्थितियों से लड़ने की क्षमता विकसित होती है। प्रधानमंत्री ने पैरा-एथलीटों को पूरे देश के लिए प्रेरणा का स्रोत बताते हुए कहा कि खेलों की उपलब्धियाँ समाज में सकारात्मक ऊर्जा पैदा करती हैं।

राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ियों की रही विशेष मौजूदगी

कार्यक्रम की विशेष बात यह रही कि विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों के साथ राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ियों ने भी इसमें सहभागिता की। विश्वविद्यालय के छात्र एवं राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी दीपांशु और रितिक कार्यक्रम में विशेष रूप से मौजूद रहे। इसके अलावा अरुण और निर्मला ने भी कार्यक्रम में भाग लिया। दोनों ने वर्ष 2026 में मलेशिया में आयोजित पैरा धोबाल चैंपियनशिप में भारत का प्रतिनिधित्व किया था। उनकी मौजूदगी ने विद्यार्थियों में खेलों के प्रति उत्साह और प्रेरणा का संचार किया। राष्ट्रीय



खेल और शिक्षा के समन्वय की दिशा में महत्वपूर्ण पहल

'खेलो इंडिया संवाद' के माध्यम से प्रधानमंत्री द्वारा खेलों को शिक्षा और युवा विकास से जोड़ने की दिशा में रखे गए विचारों को सिंधानिया विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक गृहण किया। कार्यक्रम ने यह संदेश दिया कि आधुनिक भारत में शिक्षा के साथ-साथ फिटनेस, खेल प्रतिभा, अनुशासन और स्वस्थ जीवनशैली को भी समान महत्व दिया जा रहा है। विश्वविद्यालय में आयोजित इस कार्यक्रम ने विद्यार्थियों को देश के खेल भविष्य से सीधे जुड़ने का अवसर प्रदान किया। साथ ही प्रधानमंत्री के विजन के अनुरूप नई पीढ़ी को खेलों के क्षेत्र में आगे बढ़ने, अपनी प्रतिभा पहचानने और बड़े लक्ष्य निर्धारित करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का संचालन विश्वविद्यालय के प्रो-वीसी डॉ. पवन त्रिपाठी ने किया। अंत में परिसर निदेशक प्रो. पी. एस. जस्सल ने सभी अतिथियों, विद्यार्थियों एवं आयोजन से जुड़े लोगों का आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया। सिंधानिया विश्वविद्यालय का 'खेलो इंडिया संवाद' में चयन और सक्रिय सहभागिता न केवल विश्वविद्यालय के लिए गौरव का विषय रही, बल्कि इससे क्षेत्र के विद्यार्थियों को भी राष्ट्रीय खेल अभियान और देश के भविष्य के खेल विजय से जुड़ने का महत्वपूर्ण अवसर मिला।

निकाय चुनाव को लेकर कांग्रेस की मीटिंग आज

पीसीसी चीफ बैठक में मौजूद रहकर लेंगे फीडबैक

भीम प्रज्ञा न्यूज.लक्ष्मणगढ़।

नगरपालिका मंडल के चुनाव को लेकर कांग्रेस महत्वपूर्ण बैठक शुक्रवार



28 अगस्त को शाम 4.15 बजे स्टेशन रोड पर श्री श्रद्धानाथजी के आश्रम के पास स्थित श्याम शरणम् मैरिज गार्डन में आयोजित होगी। यह जानकारी देते हुए ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष एडवोकेट राकेश सिहाग ने बताया कि बैठक में प्रदेश कांग्रेस कमिटी राजस्थान के प्रदेश अध्यक्ष क्षेत्रीय विधायक गोविंद सिंह डोटारसा, जिला प्रभारी विशाल जांगिड़, सह प्रभारी पी. एल. प्रजापति, निकाय चुनाव प्रभारी आनंद सिंह सोडा, निवर्तमान चेयरमैन मुस्तफा कुरैशी व चुनाव समिति द्वारा वाइवार फीडबैक लेकर प्रत्याशियों के आवेदनों पर विस्तृत चर्चा करेंगे। उन्होंने बताया कि बैठक में कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ता, पदाधिकारी, प्रत्याशी व उनके समर्थक मौजूद रहेंगे।

चिड़ावा नगरपालिका चुनाव: पहले दिन 11 नामांकन दाखिल, निर्दलीयों का रहा दबदबा

भीम प्रज्ञा न्यूज.चिड़ावा।

नगरपालिका चुनाव को लेकर नामांकन प्रक्रिया शुरू होते ही पहले दिन



चिड़ावा नगरपालिका के विभिन्न वार्डों से 11 नामांकन पत्र दाखिल किए गए। 27 अगस्त को प्राप्त नामांकन पत्रों की सूची के अनुसार अधिकांश प्रत्याशियों ने निर्दलीय के रूप में नामांकन दाखिल किया, जबकि वार्ड 38 से सुनील भंडिया ने भाजपा/निर्दलीय के रूप में नामांकन किया। पहले दिन वार्ड 24 से मनमोरी देवी, वार्ड 38 से अमीरलाल, वार्ड 9 से दिनेश जांगिड़, वार्ड 37 से आरती, वार्ड 43 से संगीता शेखावत, वार्ड 37 से राकेश कुमार नायक व चीन कुमार, वार्ड 31 से पूनम जोशी, वार्ड 32 से पंकज शर्मा व अंजू मनोज महमिया तथा वार्ड 38 से सुनील भंडिया ने नामांकन दाखिल किया। नामांकन प्रक्रिया निर्वाचन अधिकारी करण पाल एवं सहायक निर्वाचन अधिकारी अनोपा बिजाराणिया के नेतृत्व में संपन्न हुई। इस दौरान विनोद कुमार शर्मा, सुरेंद्र कुमार, शशिकांत शर्मा, योगेश कुमार शर्मा, दीपक पारीक, कृष्ण जांगिड़, नरहराम, पाबूदान सिंह, अमित मुरोलिया, अमित शर्मा सहित अन्य अधिकारी एवं कार्मिक मौजूद रहे। नामांकन के पहले ही दिन 11 प्रत्याशियों के मैदान में उतरने से चिड़ावा में चुनावी सरगमियां तेज हो गई हैं।

एसएस जैन सुबोध कॉलेज में मुख्यमंत्री ने युवाओं के साथ सुना 'माय भारत खेलो इंडिया संवाद'

युवा शक्ति देश की सबसे बड़ी पूंजी : मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

भीम प्रज्ञा न्यूज

जयपुर। एसएस जैन सुबोध पीजी महाविद्यालय, रामबाग में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'माय भारत खेलो इंडिया संवाद' कार्यक्रम में सहभागिता की और प्रधानमंत्री का संबोधन सुना। मुख्यमंत्री ने कहा कि युवा शक्ति भारत की सबसे बड़ी पूंजी है। युवाओं के धैर्य, आत्मविश्वास और अधिक परिश्रम से ही विकसित भारत के संकल्प को साकार किया जा सकता है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश में खेलों के प्रति सकारात्मक वातावरण बना है और गांव-गांव की प्रतिभाओं को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय मंच मिल रहा है। उन्होंने कहा कि 'माय भारत डिजिटल प्लेटफॉर्म युवाओं को कौशल विकास, नेतृत्व और नागरिक सहभागिता के अवसर प्रदान कर रहा है। राजस्थान में भी युवाओं को खेल, शिक्षा, कौशल विकास, रोजगार और सामुदायिक सहभागिता से जोड़ने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने प्रदेश में स्थापित खेलो इंडिया केंद्रों, सेंटर ऑफ एक्सीलेंस तथा खिलाड़ियों को दी जा रही प्रोत्साहन एवं सहायता राशि का उल्लेख करते



हुए युवाओं से मेहनत और लगन के साथ आगे बढ़ने का आह्वान किया। कार्यक्रम में सुबोध शिक्षा समिति के संयुक्त सचिव विनोद लोढ़ा, सुबोध कॉलेज के संयोजक विनय चंद डाना एवं प्राचार्य प्रो. (डॉ.) रेणु जोशी ने मुख्यमंत्री का

पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया। इस अवसर पर सांसद राव राजेंद्र सिंह, सांसद मंजू शर्मा सहित अन्य गणमान्यजन, शिक्षक, एनएसएस स्वयंसेवक, विद्यार्थी, खेल जगत के प्रतिनिधि और बड़ी संख्या में युवा उपस्थित रहे।

थल सेना अध्यक्ष जनरल धीरज सेठ एवं महानिदेशक पुलिस राजीव कुमार शर्मा की मुलाकात

अन्तराष्ट्रीय सुरक्षा एवं सैन्य पुलिस सहयोग पर हुई विस्तृत चर्चा

भीम प्रज्ञा न्यूज

जयपुर । भारतीय थल सेना अध्यक्ष जनरल धीरज सेठ ने गुरुवार को जयपुर प्रवास के दौरान महानिदेशक पुलिस, राजस्थान राजीव कुमार शर्मा से उनके निवास पर मुलाकात की। शर्मा ने सेना अध्यक्ष जनरल धीरज सेठ का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया तथा राजस्थान पुलिस की विभिन्न ईकाईयों के 'प्रतीक चिन्हों' से युक्त स्मृति चिन्ह सेना अध्यक्ष को भेंट किया। जनरल सेठ ने भी शर्मा को सैन्य स्मृति



चिन्ह भेंट कर पारस्परिक सम्मान एवं सौहार्द का संदेश दिया। थल सेना अध्यक्ष एवं पुलिस महानिदेशक, राजस्थान के बीच विस्तृत चर्चा के दौरान राजस्थान में अन्तराष्ट्रीय बॉर्डर पर सीमा सुरक्षा, आन्तरिक सुरक्षा से जुड़े मुद्दों, आसूचना के परस्पर आदान-प्रदान, संवेदनशील परिस्थितियों में सेना एवं पुलिस के मध्य बेहतर समन्वय इत्यादि पर विस्तार से चर्चा हुई। दोनों अधिकारीगणों ने सुरक्षा चुनौतियों से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए आपसी संवाद,

संयुक्त क्षेत्रीय निगरानी तंत्र एवं आसूचना के नियमित आदान-प्रदान को और अधिक मजबूत बनाने की आवश्यकता पर बल दिया। प्राकृतिक आपदा की परिस्थिति में राज्य आपदा प्रतिसाद बल के साथ सेना के सहयोग पर भी चर्चा हुई। विगत सेना भर्ती जो निर्बाध रूप से आयोजित हुई उसमें पुलिस का सहयोग उत्कृष्ट सैन्य नागरिक प्रशासन के समन्वय का उदाहरण बना। साथ ही, प्रशिक्षण एवं क्षमता संवर्द्धन को लेकर भविष्य में बेहतर तालमेल बनाने पर सहमति बनी।

NOBLE EDUCATION GROUP, DEOLAWAS

आप सभी को

रक्षाबंधन

पर्व की हार्दिक

शुभकामनाएं

शिवम नेहरा

शैक्षणिक निदेशक

M.Sc. (फिजिक्स)

Engg. Sandeep Nehra

M.Sc. (Gold Medalist),
M.Tech. (Mining),
Ex. - Mining Engg.

यह पावन पर्व आपके जीवन में सुख, समृद्धि, स्वास्थ्य और सफलता लेकर आए।



मेहनत की मिसाल बना सहड़ का बास, रोहित चौरा ने रचा सफलता का नया अध्याय पांच वर्ष की कठिन साधना का मिला फल, एक साथ कई प्रतिष्ठित सरकारी सेवाओं में चयन; ग्रामीण युवाओं के लिए बने प्रेरणास्रोत

भीम प्रज्ञा न्यूज / पचेरी

बुहाना उपखंड के गांव सहड़ का बास निवासी युवा रोहित चौरा पुत्र भूप सिंह ने अपनी कड़ी मेहनत, लगन और लक्ष्य के प्रति अटूट समर्पण के बल पर सरकारी सेवा में सफलता का नया मुकाम हासिल किया है। ग्रामीण परिवेश से निकलकर रोहित ने अपनी प्रतिभा और निरंतर परिश्रम के दम पर ओरिएंटल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड में प्रशासनिक अधिकारी, प्रथम श्रेणी अधिकारी के पद पर चयन प्राप्त किया है। वर्तमान में वे पद का प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। प्रशिक्षण पूर्ण होने के बाद वे राजस्थान में अपनी सेवाएं देंगे।

एक साथ कई प्रतिष्ठित सेवाओं में चयन

रोहित की सफलता की ख़ास बात यह है कि उनका चयन एक नहीं, बल्कि कई प्रतिष्ठित सरकारी सेवाओं में हुआ है। राजस्थान ग्रामीण बैंक तथा ग्रह मंत्रालय में सहायक केंद्रीय आसूचना अधिकारी, श्रेणी द्वितीय, कार्यकारी पद पर भी उनका चयन हुआ है। इससे पहले वे सेना में अधिकारी तथा कर्मचारी चयन आयोग की संयुक्त स्नातक स्तरीय परीक्षा के माध्यम से आसूचना ब्यूरो में भी चयनित हो चुके हैं। राजस्थान ग्रामीण बैंक में बैंक मैनेजर की नौकरी छोड़कर इंश्योरेंस सेवा में आए हैं। हालांकि बीमा सेवा के क्षेत्र में विशेष रुचि होने के कारण रोहित ने ओरिएंटल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड में पद ग्रहण कर अपने सेवाकाल की शुरुआत की है।

युवाओं के लिए प्रेरणा बनी रोहित की कहानी

रोहित चौरा की कहानी केवल सरकारी नौकरी हासिल करने की कहानी नहीं है, बल्कि यह धैर्य, अनुशासन, लक्ष्य और निरंतर मेहनत की कहानी है। एक के



बाद एक प्रतिष्ठित सेवाओं में चयन प्राप्त कर उन्होंने ग्रामीण क्षेत्र के युवाओं के सामने सफलता का प्रेरणादायी उदाहरण प्रस्तुत किया है। उनकी उपलब्धि उन युवाओं के लिए विशेष संदेश है जो प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं। संसाधनों की कमी या ग्रामीण परिवेश को सफलता के रास्ते में बाधा मानने के बजाय यदि युवा सही दिशा में निरंतर मेहनत करें तो वे किसी भी ऊंचाई को हासिल कर सकते हैं।

पिता के पदचिह्नों पर चलकर पूरा किया दादा-दादी का सपना

रोहित ने अपनी सफलता के माध्यम से अपने माता-पिता का नाम रोशन करने के साथ-साथ दादा-दादी के सपनों को भी साकार किया है। परिवार और ग्रामीणों का कहना है कि रोहित की उपलब्धि गांव के अन्य बच्चों को भी उच्च शिक्षा और सरकारी सेवाओं की तैयारी के लिए प्रेरित करेगी।

ग्रामीण युवाओं के लिए उम्मीद की नई किरण

रोहित चौरा की सफलता यह संदेश देती है कि प्रतिभा किसी शहर की मोहताज नहीं होती। गांव की मिट्टी में पला-बढ़ा युवा भी अपनी मेहनत और लगन के बल पर देश की प्रतिष्ठित सेवाओं में स्थान बना सकता है। आवश्यकता केवल लक्ष्य निर्धारित करने, सही दिशा में आगे बढ़ने और कठिन परिस्थितियों में भी हिम्मत न

हारने की है। रोहित चौरा की इस उपलब्धि पर सहड़ का बास के समस्त ग्रामीणों एवं दैनिक भीम प्रज्ञा के पाठक परिवार ने हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की मंगलकामना की है। उनकी सफलता निश्चित रूप से गांव और क्षेत्र के अनेक युवाओं के लिए आगे बढ़ने की प्रेरणा बनेगी।

ग्रामीण मिट्टी से निकली प्रतिभा ने बढ़ाया गांव का मान

सहड़ का बास जैसे ग्रामीण क्षेत्र से निकलकर रोहित का प्रतिष्ठित सरकारी सेवा में पहुंचना पूरे गांव के लिए गर्व का विषय है। गांव के लोगों का कहना है कि क्षेत्र में शिक्षा के प्रति बढ़ती जागरूकता के कारण अब ग्रामीण प्रतिभाएं भी विभिन्न सरकारी सेवाओं में अपनी पहचान बना रही हैं। करीब तीन दशक पहले सहड़ का बास गांव के अधिकांश परिवारों के लिए रोजगार के साधन

सीमित थे। अनेक लोग ईंट भट्टों पर मजदूरी तथा जंगलों और नहरों में खुदाई जैसे श्रम आधारित कार्यों से जुड़े हुए थे। समय के साथ शिक्षा ने गांव की तस्वीर बदलनी शुरू की और आज यहां के युवा सरकारी सेवा, हस्तशिल्प, व्यापार तथा विभिन्न व्यवसायों की ओर कदम बढ़ा रहे हैं। रोहित चौरा की उपलब्धि इसी बदलते ग्रामीण परिवेश की एक प्रेरणादायी तस्वीर है।

पिता की सेवाभावना से मिली प्रेरणा

रोहित के पिता भूप सिंह भारतीय वायुसेना में प्रशासनिक अधिकारी के रूप में करीब 36 वर्षों से अपनी सेवाएं दे रहे हैं। वर्तमान में वे कानपुर में कार्यरत हैं। पिता की अनुशासनप्रियता, सेवाभाव और कार्य के प्रति समर्पण ने रोहित के व्यक्तित्व को भी प्रभावित किया। उनकी माता संजना देवी गृहिणी हैं, जबकि छोटा भाई मोहित चौरा प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहा है। रोहित के दादा हेमराज एवं दादी बादामा देवी ने पोते की सफलता पर खुशी जताते हुए इसे पूरे परिवार के लिए गौरव का क्षण बताया।

पांच वर्षों की मेहनत ने दिखाई राह

रोहित ने इस मुकाम तक पहुंचने के लिए करीब पांच वर्षों तक लगातार कठिन परिश्रम किया। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के दौरान उन्होंने कई अवसरों पर सफलता हासिल की, लेकिन अपने लक्ष्य को और बेहतर बनाने की दिशा में प्रयास जारी रखा। उनकी सफलता इस बात का प्रमाण है कि लक्ष्य स्पष्ट हो, मेहनत निरंतर हो और असफलताओं से सीखने का जज्बा हो तो सफलता की मंजिल दूर नहीं रहती।

होली हार्ट कॉन्वेंट स्कूल में रक्षाबंधन समारोह में बच्चों ने मनाया भाई-बहन के प्रेम का पर्व-स्कूल डायरेक्टर बलदेव सैनी

भीम प्रज्ञा न्यूज.टोहाना।

रजत विजय रंगा । होली हार्ट कॉन्वेंट स्कूल में रक्षाबंधन के पावन अवसर पर प्री-प्राइमरी कक्षाओं के बच्चों ने उत्साह और उमंग के साथ रक्षाबंधन समारोह मनाया। नन्हें छात्राओं ने अपने भाइयों की कलाई पर सुंदर राखियाँ बाँधीं, वहीं भाइयों ने अपनी बहनों को छोटे-छोटे उपहार देकर भाई-बहन के प्रेम और स्नेह को व्यक्त किया। प्राइमरी सेक्शन में राखी मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने रंग-बिरंगी और आकर्षक राखियाँ बनाकर अपनी रचनात्मकता का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में नूरीन, नित्या, जीवांशी, विदिका, राधिका, तान्या, हुजर जैन, मन्मत, पलक, जैसी और गिरिशिका ने विभिन्न स्थान प्राप्त किए। कार्यक्रम को सफल बनाने में



शिक्षिकाओं मेनाक्षी जैन, सपना, अनीता और जानवी ने विद्यार्थियों का मार्गदर्शन एवं सहयोग किया। विद्यालय की प्रधानाचार्या पायल मेहता एवं बलदेव सैनी ने सभी विद्यार्थियों को रक्षाबंधन की

शुभकामनाएँ दीं तथा विजेता विद्यार्थियों की प्रतिभा और रचनात्मकता की सराहना की। उन्होंने बच्चों को भाई-बहन के रिश्ते में प्रेम, सम्मान, सहयोग और आपसी विश्वास बनाए रखने का संदेश दिया।

टोहाना बजरंग मॉडल स्कूल में रक्षा बंधन उत्सव धूमधाम से मनाया

भीम प्रज्ञा न्यूज.टोहाना।

रजत विजय रंगा । आजाद नगर स्थित बजरंग मॉडल स्कूल में रक्षा बंधन का पावन पर्व बड़े ही हर्षोल्लास, उत्साह और पारंपरिक उल्लास के साथ मनाया गया। विद्यालय परिसर रंग-बिरंगी राखियों, आकर्षक सजावट और विद्यार्थियों की मनमोहक प्रस्तुतियों से उत्सवमय दिखाई दिया। इस अवसर पर विद्यार्थियों में भारतीय संस्कृति, पारिवारिक मूल्यों और भाई-बहन के अटूट प्रेम की भावना विकसित करने के उद्देश्य से विभिन्न रचनात्मक गतिविधियों का आयोजन किया गया।

निदेशक विनय वर्मा बोले— रक्षा बंधन प्रेम, विश्वास और संस्कारों को सुदृढ़ करने वाला पावन पर्व



कार्यक्रम की शुरुआत विद्यालय प्रबंधन एवं शिक्षकों द्वारा रक्षा बंधन के महत्व पर प्रकाश डालते हुए की गई। इसके बाद आयोजित राखी मेकिंग प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने मोती, रंगीन धागों, सितारों और सजावटी सामग्री से सुंदर एवं आकर्षक राखियाँ तैयार कीं। वहीं ग्रीटिंग कार्ड प्रतियोगिता में बच्चों ने

अपने हाथों से मनोहारी शुभकामना कार्ड बनाकर रक्षा बंधन का संदेश सुजनात्मक ढंग से प्रस्तुत किया। निर्णायकों ने विद्यार्थियों की कल्पनाशीलता, कलात्मकता और प्रस्तुति की सराहना की। कार्यक्रम का सबसे भावुक पल तब आया जब

रक्षाबंधन के पावन पर्व पर पुलिस अधीक्षक श्रीमती निकिता खट्टर ने जिलेवासियों को दी शुभकामनाएँ

भीम प्रज्ञा न्यूज.फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा । पुलिस अधीक्षक निकिता खट्टर, आईपीएस ने जिलेवासियों को रक्षाबंधन के पावन पर्व की हार्दिक शुभकामनाएँ एवं शुभेच्छाएँ दीं। उन्होंने कहा कि रक्षाबंधन हमारे सांस्कृतिक मूल्यों और पारिवारिक भावनाओं का प्रतीक है। यह पर्व भाई-बहन के स्नेह, सुरक्षा और समर्पण का प्रतीक है, जो समाज में आपसी विश्वास और सौहार्द को भी



मजबूती प्रदान करता है। इस अवसर पर हम सभी को यह संकल्प लेना चाहिए कि हम समाज में आपसी प्रेम, भाईचारा एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करें तथा फतेहाबाद जिले को नशा मुक्त बनाने में पुलिस प्रशासन का साथ दें। पुलिस प्रशासन आपकी सुरक्षा एवं सेवा के लिए सदैव तत्पर है। रक्षाबंधन का यह पर्व आप सभी के जीवन में सुख, शांति और समृद्धि लेकर आए – यही मेरी मंगलकामना है।

श्रवण कुमार
विधायक, सूरजगढ़

रोहिताश्व सिंह तंबर
कांग्रेस नेता

मुकेश रांगेय
पार्षद उम्मीदवार, वार्ड नंबर 3
नगर पालिका बुहाना

सभी नगरवासियों को
रक्षाबंधन
पर्व की
हार्दिक बधाई
एवं
शुभकामनाएं

**एल.बी.एस इंटरनेशनल स्कूल,
पचेरी बड़ी**

**एल.बी.एस किड्स प्ले स्कूल,
पचेरी बड़ी**

सभी विद्यार्थियों एवं
अभिभावकों को
रक्षाबंधन
की हार्दिक बधाई एवं
शुभकामनाएं

सुरेश कुमार जांगिड़
निदेशक

अतुल कुमार जांगिड़
प्रबंधक निदेशक



नगर निकाय चुनाव: झुंझुनूं जिले में 7 सितंबर शाम से लागू रहेगा सूखा दिवस

भीम प्रज्ञा न्यूज.झुंझुनूं।

जिले में नगर निकाय आम चुनाव-2026 के तहत प्रथम चरण में 9 सितंबर तथा द्वितीय चरण में 11 सितंबर को मतदान और 14 सितंबर को मतगणना होगी। जिला मजिस्ट्रेट डॉ. अरुण गर्ग ने लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 135-ग के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए संबंधित नगर निकाय निर्वाचन क्षेत्रों में मतदान को

शांतिपूर्ण, स्वतंत्र एवं निष्पक्ष रूप से सम्पन्न कराने के लिए सूखा दिवस घोषित किया है। जिला मजिस्ट्रेट डॉ. अरुण गर्ग ने बताया कि प्रथम चरण के मतदान के लिए 7 सितंबर 2026 की शाम 6 बजे से 9 सितंबर की शाम 6 बजे तक तथा द्वितीय चरण के मतदान के लिए 9 सितंबर की शाम 6 बजे से 11 सितंबर की शाम 6 बजे तक संबंधित निर्वाचन क्षेत्रों में सूखा दिवस रहेगा। इसके अतिरिक्त 14 सितंबर को मतगणना के दिन भी

संबंधित नगर निकायों के निर्वाचन क्षेत्रों में सूखा दिवस रहेगा। सूखा दिवस की अवधि के दौरान पूरे झुंझुनूं जिले में किसी होटल, भोजनालय, मदिरालय (टैवर्न), दुकान अथवा किसी अन्य लोक या निजी स्थान पर किसी भी प्रकार की स्प्रिंटयुक्त किण्वत अथवा मादक लिंकर या इसी प्रकृति के अन्य पदार्थों का ना तो विक्रय किया जाएगा, ना दिया जाएगा और ना वितरित किया जाएगा।

नगरपालिका के 45 वार्डों के लिए नामांकन शुरू, पहले दिन 7 नामांकन पत्र हुए दाखिल

भीम प्रज्ञा न्यूज.लक्ष्मणगढ़।

लक्ष्मणगढ़ नगरपालिका मंडल में पार्षद पदों के लिए नामांकन प्रक्रिया गुरुवार से शुरू हुई। पालिका के 45 वार्डों के लिए 9 सितंबर को प्रथम चरण में होने वाले मतदान के लिए पहले दिन रिटर्निंग अधिकारी नगरपालिका (एसडीएम) लक्ष्मणगढ़ के सप्तश 7 नामांकन पत्र दाखिल हुए। जिनमें 2 भाजपा से एक कांग्रेस व 4 निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में नामांकन दाखिल हुए। मिली जानकारी के अनुसार वार्ड 13 में सबसे ज्यादा 4 नामांकन पत्र दाखिल किए गए जिनमें एक कांग्रेस और तीन निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में शामिल हैं। निकाय चुनाव के लिए भाजपा और कांग्रेस की ओर से प्रत्याशियों के नाम की अभी तक अधिकृत सूची जारी नहीं की गई। रिटर्निंग अधिकारी नगरपालिका (एसडीएम) लक्ष्मणगढ़ भावेश धनवन्त से मिली जानकारी के अनुसार गुरुवार को पहले दिन वार्ड 24 के लिए भारतीय जनता पार्टी से सतवीर सिंह पुत्र गोपाल, वार्ड 23 के लिए भारतीय जनता पार्टी से अमृत ख्यालिया पुत्र सावरमल ख्यालिया, वार्ड 41 के लिए निर्दलीय पंकज बागड़ी पुत्र राजकुमार बागड़ी, वार्ड 13 के लिए महबूब खान पुत्र फैजु खान ने कांग्रेस व निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में दो अलग-अलग नामांकन पत्र दाखिल किए हैं जबकि वार्ड 13 से ही अजीज खान पुत्र महबूब सरखेल ने निर्दलीय व मो.इमरान पुत्र सुल्तान खान ने निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में अपना नामांकन पत्र दाखिल किया है। उन्होंने बताया कि 31 अगस्त को



अपराह 3 बजे तक नामांकन पत्र दाखिल किए जाने हैं। 28 अगस्त व 30 अगस्त को सार्वजनिक अवकाश होने के कारण नामांकन पत्र प्राप्त नहीं किए जाएंगे। जबकि 01 सितंबर को भरे गये नामांकन पत्रों की जांच होगी तथा 03 सितंबर को अपराह 3 बजे तक नाम वापस लिए जा सकते हैं। 4 सितम्बर को चुनाव चिन्हों का आवंटन किया जायेगा। 09 सितम्बर को प्रातः 07 बजे से शाम 6 बजे तक मतदान होगा जबकि 14 सितंबर को मतगणना होगी।

प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए दिसनाऊ में एक दिवसीय कार्यशाला का हुआ आयोजन

भीम प्रज्ञा न्यूज.लक्ष्मणगढ़।

नाबाई एवं बजाज ट्रस्ट द्वारा संचालित, प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए जीआईवीए परियोजना के अंतर्गत ग्राम दिसनाऊ में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य किसानों एवं परियोजना से जुड़े हितधारकों को प्राकृतिक कृषि, देसी बीज संग्रहण, मृदा स्वास्थ्य, जैविक इनपुट के उपयोग तथा कृषि आधारित आजीविका को सुदृढ़ करने के संबंध में जानकारी एवं व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान करना था। इस अवसर पर विशेषज्ञों द्वारा किसानों के साथ संवाद करते हुए मृदा स्वास्थ्य, फसल प्रबंधन, कीट एवं रोग प्रबंधन, मिश्रित एवं अंतरवर्ती फसल प्रणाली तथा



प्राकृतिक कृषि पद्धतियों के व्यावहारिक पहलुओं पर जानकारी साझा की गई। प्रतिभागियों ने अपने अनुभव एवं कृषि संबंधी समस्याएं भी साझा की, जिस पर विशेषज्ञों द्वारा आवश्यक सुझाव दिए गए। आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता नाबाई सीकर के डीडीएम एम एल मीणा ने की कार्यशाला में परियोजना से जुड़े

किसानों, जेकेबीटी स्टाफ, ईएफआरपी रिसोर्स पर्सन एवं अन्य संबंधित प्रतिनिधियों ने भाग लिया। प्रतिभागियों ने प्राकृतिक एवं टिकाऊ कृषि को बढ़ावा देने तथा परियोजना के उद्देश्यों को गांव स्तर तक प्रभावी रूप से पहुंचाने के लिए सामूहिक प्रयास करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की।

स्वाइन फ्लू से बचाव के लिए स्वास्थ्य विभाग ने जारी की एडवाइजरी

स्वाइन फ्लू जैसे लक्षण होने पर भीड़भाड़ वाली जगहों पर जाने से बचें और जरूरत पड़ने पर मास्क पहनें

भीम प्रज्ञा न्यूज

जयपुर। स्वाइन फ्लू यानी इन्फ्लूएंजा सांस से जुड़ा संक्रमण है। इसके सामान्य लक्षणों में बुखार, खांसी, गले में खराश, नाक बहना या बंद होना, सिरदर्द, शरीर में दर्द और थकान शामिल हैं। ज्यादातर मरीज सही देखभाल और डॉक्टर की सलाह से ठीक हो जाते हैं। हालांकि छोटे बच्चों, बुजुर्गों, गर्भवती महिलाओं और गंभीर या लम्बे समय से बीमार लोगों में परेशानी बढ़ने का खतरा अधिक रहता है। प्रमुख शासन सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य गायत्री राठौड़ ने मौसमी फ्लू और अन्य सांस से जुड़े संक्रमणों से बचाव के लिए आमजन से सावधानी बरतने की अपील की है। उन्होंने कहा कि बुखार, खांसी या गले

में खराश जैसे लक्षण होने पर घरबारे की जरूरत नहीं। संक्रमण फैलने से रोकने के लिए साफ-सफाई का ध्यान रखें और जरूरत पड़ने पर डॉक्टर से सलाह लें। गायत्री राठौड़ ने आमजन से अपील की है कि साफ-सफाई, खांसने-छींकने का सही तरीका और संक्रमण से बचाव की सावधानियों को अपनी रोजमर्रा की आदत बनाएं। समय पर डॉक्टर की सलाह लेकर और जरूरी सावधानियां बरतने से फ्लू और अन्य सांस से जुड़े संक्रमणों को फैलने से रोकने में मदद मिल सकती है। यह सावधानी बरतें- खांसते या छींकते समय मुंह और नाक को रुमाल, टिशू या कोहनी से ढकें। हाथों को साबुन और पानी से बार-बार अच्छी तरह धोएं। जरूरत पड़ने पर हैंड सैनिटाइजर का इस्तेमाल करें। बुखार, खांसी या गले में खराश जैसे लक्षण होने पर भीड़भाड़ वाली जगहों पर जाने से बचें। लक्षण होने पर दूसरों से उचित दूरी रखें और जरूरत पड़ने पर मास्क पहनें। पर्याप्त आराम करें और पानी व अन्य तरल पदार्थ लें रहें। फ्लू जैसे लक्षण होने पर डॉक्टर से

सलाह लेकर उनकी सलाह के अनुसार ही दवाई लें। बच्चों, बुजुर्गों, गर्भवती महिलाओं और गंभीर या लम्बे समय से बीमार लोगों में ऐसे लक्षण दिखने पर विशेष सावधानी बरतें। सांस लेने में परेशानी, लगातार तेज बुखार, बहुत अधिक कमजोरी, ऑक्सीजन का स्तर कम होने या कोई अन्य गंभीर लक्षण दिखने पर तुरंत नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र या डॉक्टर से संपर्क करें। यह बिल्कुल नहीं करें- फ्लू जैसे लक्षण होने पर घरबाएं नहीं और अफवाहों पर ध्यान नहीं दें। डॉक्टर की सलाह के बिना एंटीबायोटिक या एंटीवायरल दवा नहीं लें। अपनी मर्जी से दवा की खुराक तय करके लंबे समय तक दवा नहीं लें। बीमार होने पर स्कूल, कार्यालय, समारोह या किसी अन्य भीड़भाड़ वाली जगह पर नहीं जाएं। खांसते या छींकते समय मुंह और नाक खुला नहीं रखें। इस्तेमाल किए हुए टिशू या रुमाल को ड्रथर-ड्रथर नहीं फेंकें। संक्रमित या लक्षण वाले व्यक्ति के बहुत नजदीक जाने से बचें।

उच्च न्यायालय ने 29 अगस्त के अवकाश के स्थान पर 26 सितंबर को कार्यदिवस घोषित किया

भीम प्रज्ञा न्यूज.झुंझुनूं।

राजस्थान उच्च न्यायालय की अधिसूचना के अनुसार 29 अगस्त 2026 (शनिवार) को घोषित अवकाश में संशोधन किया गया है। जिला एवं सेशन न्यायाधीश ने बताया कि पूर्व में जारी अधिसूचना में आंशिक संशोधन करते हुए राजस्थान उच्च न्यायालय के समस्त अधीनस्थ न्यायालयों में 29 अगस्त 2026 को अवकाश घोषित किया गया है। अधिसूचना के अनुसार 29 अगस्त के अवकाश के स्थान पर 26 सितंबर 2026 (चतुर्थ शनिवार) को कार्यदिवस रहेगा। यह आदेश राजस्थान उच्च न्यायालय के समस्त अधीनस्थ न्यायालयों पर लागू होगा।

रंगोली के माध्यम से दिया मतदात जागरूकता संदेश



भीम प्रज्ञा न्यूज.लक्ष्मणगढ़।

राजकीय महात्मा गाँधी विद्यालय में स्वीप कार्यक्रम का आयोजन प्रधानाचार्य प्रमिल कुमार के निर्देशन में आयोजित किया गया। संदर्भ व्यक्ति सुरेश कुमार भारकर ने विद्यार्थियों को लोकतंत्रात्मक व्यवस्था के अंतर्गत चुनाव व मतदान प्रक्रिया से अवगत करवाते हुए भारतीय चुनावों के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी प्रदान की। एसीबीई विधाधर शर्मा ने वोट के मूल्य को समझाते हुए मताधिकार का प्रयोग करने के लिए प्रेरित किया। महिला एवं बाल विकास अधिकारी हरिकेशन ने मतदाताओं द्वारा ली जाने वाली शपथ के बारे में बताते हुए वोट देने के अपने अधिकार का विश्वास पूर्वक सुविधाजनक तरीके से और नैतिकता के साथ प्रयोग करने की आवश्यकता बताई। इस मौके पर स्कूली छात्राओं द्वारा रंगोली सजाकर मतदाता जागरूकता का संदेश दिया। स्थान उच्च न्यायालय के समस्त अधीनस्थ न्यायालयों में 29 अगस्त 2026 को अवकाश घोषित किया गया है। अधिसूचना के अनुसार 29 अगस्त के अवकाश के स्थान पर 26 सितंबर 2026 (चतुर्थ शनिवार) को कार्यदिवस रहेगा। यह आदेश राजस्थान उच्च न्यायालय के समस्त अधीनस्थ न्यायालयों पर लागू होगा।

M.R.S PRANAMI SCHOOL CHIRAWA

की तरफ से

समस्त अभिभावकों, विद्यार्थियों व क्षेत्रवासियों को

रक्षाबंधन

की

हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

अरविन्द दाधीच
सचिव

अनिल दाधीच
निदेशक

बजरंग लाल शर्मा
संरक्षक

MD स्कूल चिड़ावा

GROUP OF EDUCATION

समस्त अभिभावकों, विद्यार्थियों व क्षेत्रवासियों को

रक्षाबंधन

पर्व की

हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

MR. SUNIL DANGI

Founder @mdgroupofeducation



खाकी संग रक्षाबंधन: नन्हीं बेटियों ने ट्रैफिक पुलिसकर्मियों की कलाई पर बांधी राखी

इयूटी पर तैनात जवानों के लिए भावुक हुआ पल, पुलिसकर्मियों ने बच्चियों को दिया आशीर्वाद और शगुन

भीम प्रज्ञा न्यूज / झुंझुनू

रक्षाबंधन के पावन पर्व पर शहर के हवाई पट्टी सर्किट पर भाई-बहन के प्रेम और सामाजिक सरोकार का अनूठा नजारा देखने को मिला। त्योहार के दिन भी शहर की यातायात व्यवस्था संभालने के लिए चौराहे पर मुस्तेदी से इयूटी कर रहे ट्रैफिक पुलिसकर्मियों के बीच जब स्कूली नन्हीं बच्चियां राखियां लेकर पहुंचीं, तो माहौल भावुक होने के साथ-साथ खुशियां से भर गया।

नन्हीं बच्चियों ने पुलिसकर्मियों को बांधी राखी

डी.आर. शिशुकुंज स्कूल, शीशियां और बचपन स्कूल की छात्राएं खुशी, नैना, रेखा, मानवी और शान्नी हवाई पट्टी सर्किट पहुंचीं। बच्चियों ने वहां तैनात ट्रैफिक प्रभारी कस्तूर निशांत, कांस्टेबल सतपाल सहित अन्य पुलिसकर्मियों की कलाई पर रक्षासूत्र बांधा और उनका मुंह मीठा कराया। राखी बंधवाने के बाद पुलिसकर्मियों ने बच्चियों को स्नेहपूर्वक आशीर्वाद दिया। पुलिसकर्मियों ने भी बच्चियों को रक्षाबंधन की बधाई देते हुए शगुन के रूप में राशि प्रदान की। नन्हीं बच्चियों के चेहरे पर खुशी और पुलिसकर्मियों के चेहरे पर



भावुक मुस्कान ने इस पूरे आयोजन को यादगार बना दिया।

झुगगी-झोपड़ी के बच्चों के साथ भी बांटी खुशियां

रक्षाबंधन के अवसर पर ट्रैफिक प्रभारी कस्तूर निशांत ने मानवीय संवेदना का परिचय देते हुए आसपास मौजूद झुगगी-झोपड़ियों में रहने वाले बच्चों को भी कार्यक्रम में शामिल किया। उन्होंने बच्चों को शगुन के रूप में राशि देकर उनके साथ त्योहार की खुशियां साझा कीं।

सामाजिक संवेदना का संदेश

रक्षाबंधन का यह आयोजन केवल राखी बांधने तक सीमित नहीं रहा, बल्कि इसने भाईचारे, अपनत्व और सामाजिक संवेदनशीलता का संदेश भी दिया। एक ओर जहां नन्हीं बच्चियों ने इयूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों को परिवार का सदस्य मानकर राखी बांधी, वहीं पुलिसकर्मियों ने भी उन्हें स्नेह और आशीर्वाद देकर इस रिश्ते को आत्मीयता प्रदान की। हवाई पट्टी सर्किट पर कुछ समय के लिए बना यह भावुक माहौल वहां से गुजरने वाले लोगों के लिए भी आकर्षण का केंद्र रहा। त्योहार के दिन इयूटी निभा रहे पुलिसकर्मियों और नन्हीं बेटियों के बीच बने इस स्नेह के रिश्ते ने रक्षाबंधन की भावना को एक सुंदर सामाजिक संदेश में बदल दिया।

त्योहार पर भी परिवार से दूर निभाते हैं जिम्मेदारी

ट्रैफिक प्रभारी कस्तूर निशांत ने कहा कि पुलिसकर्मी त्योहारों के अवसर पर भी अपने परिवार से दूर रहकर आमजन की सुरक्षा और यातायात व्यवस्था की जिम्मेदारी निभाते हैं। ऐसे में जब छोटी बच्चियां उनके पास राखी बांधने पहुंचीं तो यह पल उनके लिए बेहद खास और भावुक करने वाला रहा। उन्होंने कहा कि बच्चियों की इस आत्मीय पहल ने इयूटी के दौरान उन्हें परिवार जैसा अपनापन महसूस कराया। उन्होंने स्कूल की छात्राओं और विद्यालय प्रबंधन का इस स्नेहपूर्ण पहल के लिए आभार व्यक्त किया।

सांसद सुभाष बराला ने केन्द्रीय रेल मंत्री का जताया आभार

जाखल अनाज मंडी के लिए वैकल्पिक आवागमन मार्ग को रेलवे ने दी मंजूरी, किसानों व व्यापारियों को मिलेगी राहत

भीम प्रज्ञा न्यूज.टोहाना/जाखल।

रजत विजय रंगा । जाखल रेलवे स्टेशन पर आरओबी-167 और आरयूबी-169 के निर्माण कार्य के चलते जाखल अनाज मंडी की ओर जाने वाले मुख्य मार्ग के प्रभावित होने से किसानों, आदृतियों एवं राइस मिलर्स को होने वाली परेशानी को देखते हुए रेलवे विभाग ने तलवाड़ा फाटक के वैकल्पिक मार्ग के रूप में अस्थायी आवागमन व्यवस्था के प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान कर दी है। इस जनहितकारी पहल के लिए राज्यसभा सांसद श्री सुभाष बराला ने केन्द्रीय रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव का आभार जताते हुए कहा कि रेलवे की सकारात्मक पहल से क्षेत्र के लोगों को बड़ी राहत मिलेगी। गौरतलब है कि सांसद श्री सुभाष बराला ने विगत दिनों क्षेत्र की इस महत्वपूर्ण समस्या को केन्द्रीय रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव के समक्ष प्रमुखता से रखा था। उन्होंने निर्माण कार्य के दौरान किसानों, आदृतियों, राइस मिलर्स और आमजन को होने वाली परेशानी से अवगत करवाते हुए तलवाड़ा फाटक की ओर से वैकल्पिक आवागमन की अस्थायी व्यवस्था करवाने का आग्रह किया था।

रेल मंत्रालय द्वारा प्रस्ताव को मंजूरी दिए जाने पर सांसद श्री बराला ने केन्द्रीय रेल मंत्री एवं रेलवे विभाग का धन्यवाद करते हुए कहा कि केंद्र सरकार क्षेत्र की समस्याओं के समाधान तथा आमजन की सुविधा के लिए गंभीरता से कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्यों के कारण आवागमन प्रभावित होना



स्वाभाविक है, लेकिन वैकल्पिक मार्ग की व्यवस्था होने से मंडी तक पहुंचने वाले किसानों और व्यापारियों को काफी सुविधा मिलेगी। उन्होंने कहा कि जाखल अनाज मंडी क्षेत्र के किसानों एवं व्यापारियों के लिए महत्वपूर्ण केंद्र है। मंडी सीजन के दौरान बड़ी संख्या में किसान अपनी फसल लेकर यहां पहुंचते हैं। ऐसे में सुगम एवं सुरक्षित आवागमन की व्यवस्था अत्यंत आवश्यक है। रेलवे की यह मंजूरी जनहित की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। सांसद बराला ने कहा कि क्षेत्रवासियों की सुविधा से जुड़े अन्य मुद्दों को भी प्राथमिकता के आधार पर संबंधित मंत्रालयों एवं विभागों के समक्ष उठाकर उनका समाधान करवाने के प्रयास निरंतर जारी रहेंगे।

आप सभी को

रक्षाबंधन

पर्व की
हार्दिक शुभकामनाएं!

संगीता भगेरिया
पार्षद प्रत्याशी, वार्ड नं. 31
नगर पालिका चिड़ावा

ललित भगेरिया
सामाजिक कार्यकर्ता

रिशतों की डोर, विश्वास का बंधन
प्यार और सुरक्षा का पावन पर्व

रक्षाबंधन

की हार्दिक
शुभकामनाएं

यह पर्व आपके जीवन में सुख, समृद्धि,
स्वास्थ्य और सफलता लेकर आए!

सुनील भड़ीया
वार्ड नंबर 38,
नगर पालिका, चिड़ावा

आप सभी को

रक्षाबंधन

पर्व की
हार्दिक शुभकामनाएं!

भाग्यश्री कुठानिया
पार्षद प्रत्याशी, वार्ड नंबर 35
नगर पालिका चिड़ावा

निवेदक :
अमित कुठानिया
सामाजिक कार्यकर्ता, चिड़ावा

रिशतों की डोर, विश्वास का बंधन
प्यार और सुरक्षा का पावन पर्व

रक्षाबंधन

की हार्दिक
शुभकामनाएं

यह पर्व आपके जीवन में सुख, समृद्धि,
स्वास्थ्य और सफलता लेकर आए!

सुनील भड़ीया
वार्ड नंबर 38,
नगर पालिका, चिड़ावा